

0

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 6478

Unique Paper Code : 2132101201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose), DSC

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit, NEP UGCF

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार का अनुवाद कीजिए :

4×5=20

Translate any four of the following :

- (i) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः। प्रशमहेतुर्वयः परिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालममलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति। अयमेव चानास्वादितविषयरसस्य ते काल उपदेशस्य। कुसुमशरशरप्रहार जर्जरिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम्।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

- (ii) उद्दामदर्पभटसहस्रोल्लासितासिलतापञ्जरविधृताप्यपक्रामति। मदजलदुर्दिनान्धकार गजघटित घनघटा परिपालितापि प्रपलायते। न परिचयं रक्षति। नाभिजनमीक्षते रूपमालोकयते न कुलक्रममनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्धं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमाद्रियते। न विशेषज्ञतां विचारयति। नाचारं पालयति। न सत्यमवबुध्यते। न लक्षणं प्रमाणीकरोति। गंधर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति।
- (iii) किं बहुना ? राज्यभारं भारक्षमेष्वन्तरङ्गेषु भक्तिमत्सुसमर्प्य अप्सरः प्रतिरूपाभिरन्तः पुरिकाभीरममाणो गीतसङ्गीतपानगोष्ठीश्च यथर्तुबन्धनं यथार्हम् कुरु शरीरलाभम् इति पञ्चाङ्गीस्पष्टभूमिरञ्जलिचुम्बितचूडश्चिरमशेत्। प्राहसीच्च प्रतिफुल्ललोचनोऽन्तः पुर प्रमदाजनः। जननाथश्च सस्मितम् 'उत्तिष्ठ ननु हितोपदेशाद् गुरुवो भवन्तः। 'किमिति गुरुत्वविपरीतमनुष्ठितम्' इति समुत्थाप्य क्रीडारसनिर्भरमतिष्ठतम्।
- (iv) सः पुण्यै कर्मभिः प्राप्य पुरुषायुषम्, पुनरपुण्येन प्रजानामगण्यतामरेषु। तदन्तरमनन्तवर्मा नाम तदायतिरवनिमध्यतिष्ठत्। स सर्वगुणैः समृद्धोऽपि दैवाद्दण्डनीत्यानात्यादृतोऽभूत्। तमेकदा रहसि वसुरक्षितो नाम मंत्रिवृद्धः पितुरस्य बहुमत प्रगल्भवागभाषत। तात, सर्वेवाऽऽत्मसम्पदभिजनात्प्रभृत्यन्यूनैवान्नभवति लक्ष्यते।
- (v) कदलीदलकुञ्जायित्तस्य एतत्कुटीरस्य समन्तात् पुष्पवाटिका, पूर्वतः परम-पवित्रपानीयं परस्सहस्र पुण्डरीक-पटल-परिलसितं पतत्रिकुल कूजित पूजित पयः पूरितं सरः आसीत्। दक्षिणतश्चैको निर्झर-झर्झर ध्वनिध्वनित-दिगन्तरः फल-पटलाऽऽस्वाद चपलित-चञ्चु पतङ्गकुलाऽऽक्रमणाधिक विनत शाख-शाखि समूह व्याप्तः सुन्दरकन्दरः पर्वतखण्ड आसीत्।
- (vi) "अहो। चिररात्राय सुप्तोऽहम् स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान पुण्यमयः समयोऽतिवाहितः, सन्ध्योपासन-समयोऽयमस्मदगुरुचरणनाम्, तत् सपदि अवचिनोमि कुसुमानि" इति चिन्तयन्, कदलीदलमेकमाकुञ्च्य, तृणशकलैः सन्धाय, पुटकं विधाय, पुष्पावचयं कर्तुमारेभे बटुरसौ आकृत्या सुन्दरः वर्णेन गौरः जटाभिर्ब्रह्मचारि, वयसा पोडशवर्षदेशीयः कम्बुकण्ठः आयतललाटः, सुबाहुर्विशाललोचनश्चवाऽऽसीत्।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

2×6=12

Explain any *two* of the following with reference to the context :

- (i) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः।
- (ii) पुनरिमे ब्रुवते- ननु चतस्रो राजविद्याः-त्रयी वार्ताऽऽन्वीक्षिकी दण्डीतिरिति। तासु तिस्रस्त्रयीवार्तान्वीक्षिक्यो महत्यो मन्दफलाश्च। तास्तावदासताम्। अधीष्व तावद्दण्डनीतिम्।
- (iii) अभिजातमहिमिव लङ्घयति। शूरं कण्टकमिव परिहरति। दातारं दुःस्वप्नम् इव न स्मरति। विनितं पातकिनमिव नोपसर्पति। मनस्विनमुन्मत्तमिवोपहसति।
- (iv) अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः। एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ति खेचर-चक्रस्य कुण्डलमाखण्डलदिशः दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य प्रेयान् पुण्डरीकपटलस्य, शोक-विमोकः कोक-लोकस्य अवलम्बो रोललम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यहारस्य, इनश्च दिनस्य।

3. 'वाणी बाणो बभूव' इस उक्ति पर निबंध लिखिए।

11

Write an essay on the statement of 'वाणी बाणो बभूव' (Vani Bano Babhuvah.)

अथवा/Or

शुकनासोपदेश के अनुसार गुरु के उपदेश का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

Explain the importance of 'गुरूपदेश' (Gurupadesh) according to Sukanāsopadeśa.

4. ऐतिहासिक गद्यकाव्य के रूप में शिवराजविजयम् की समीक्षा कीजिए।

11

Give review on śivrajavijayam as a historical prose literature.

P.T.O.

अथवा/Or

शिवराजविजयम् के आधार पर ब्रह्मचारी गुरु के आश्रम के मनोरम दृश्य का वर्णन कीजिए।

Describe the panoramic view of Brahmachari Guru's Ashram on the basis of *sivrajavijayam*.

5. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' पर टिप्पणी लिखिए। 11

Write an essay on 'Dandinh Padlalityam'.

अथवा/Or

विश्रुतचरितम् के अनुसार राजाओं की दिनचर्या अपने शब्दों में वर्णित कीजिए।

Explain the day-by-day activities of kings according to *Visruitcharitam*.

6. प्रश्न संख्या 1 तथा 2 के किन्हीं पाँच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। $5 \times 1 = 5$

Write grammatical note on any *five* of the underlined words in question 1 and 2.

7. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकासक्रम पर प्रकाश डालिए। 10

Throw light on the origin and development of Sanskrit prose.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any *two* of the following :

कादम्बरी, पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका

Kādambarī, Pancatantra, Hitopdeśa, Vetālapancavimśikā

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से एक संस्कृत में होनी चाहिए : $2 \times 5 = 10$

Write notes on any *two* of the following one of which should be in Sanskrit :

क्षीरसागर चार राजविद्या, इंद्रजाल, गन्धर्वनगरलेखा, षड्गुण।

(2)

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 6511

Unique Paper Code : 2132101202

Name of the Paper : Sanskrit Epics, DSC

Name of the Course : BACHELOR OF ARTS (HONOURS COURSE)
SANSKRIT, NEP UGCF 2022

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद कीजिए :

3×6=18

Translate the following stanzas :

(i) निर्मर्यादस्तु पुरुषः पापाचारसमन्वितः।

मानं न लभते सत्सु भिन्नचारित्रदर्शनः॥

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

अथवा/Or

क्षात्रं धर्ममहं त्यक्ष्ये ह्यधर्मं धर्मसंहितम्।

क्षुद्रैर्नृशंसैर्लुब्धैश्च सेवितं पापकर्मभिः॥

(ii) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।

उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः॥

अथवा/Or

देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।

तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति॥

(iii) भूमिः कीर्तिर्यशो लक्ष्मीः पुरुषं प्रार्थयन्ति हि।

सत्यं समनुवर्तन्ते सत्यमेव भजेत् ततः॥

अथवा/Or

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।

न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

2. निम्नलिखित पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

2×9=18

Explain the following stanzas with reference to context :

(i) उद्विजन्ते यथा सर्पान्निरादनृतवादिनः।

धर्मः सत्यपरो लोके मूलं सर्वस्य चोच्यते॥

अथवा/Or

कायेन कुरुते पापं मनसा सम्प्रधार्य तत्।

अनृतं जिह्वया चाह त्रिविधं कर्म पातकम्॥

(ii) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः।

आगमापायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत ॥

अथवा/Or

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।

तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही ॥

3. निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 1×9=9

Explain any one of the following stanzas in Sanskrit :

कुलीनमकुलीनं वा वीरं पुरुषमानिनम्।

चारित्रमेव व्याख्याति शुचिं वा यदि वाशुचिम् ॥

अथवा/Or

य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम्।

उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते ॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×18=36

Answer any two of the following questions :

(i) भारतीय मूल्यों के ज्ञान के स्रोत ग्रन्थ के रूप में रामायण का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate Ramayana as a source text for knowledge of Indian values.

अथवा/Or

रामायणाधारित भारतीय भाषाओं के साहित्य पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the literature of Indian languages based on Ramayana.

(ii) महाभारत भारतीय ज्ञान और मूल्यों का स्रोत ग्रन्थ है। विवेचना कीजिए।

Mahabharat is the source text of Indian knowledge and values.
Discuss.

अथवा/Or

महाभारत पर आधारित संस्कृत साहित्य पर प्रकाश डालिए।

Throw light on Sanskrit literature based on Mahabharata.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×4.5=9

Write short notes on any two of the following :

(i) अध्यात्म रामायण

Adhyatma Ramayana

(ii) रामायणाधारित संस्कृत महाकाव्य

Sanskrit Mahakavya based on the Ramayana

(iii) महाभारताधारित नाटक

Drama based on Mahabharata

(iv) गीता

Gita

3

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 6542

Unique Paper Code : 2132101203

Name of the Paper : Critical Survey of Sāstric Literature, DSC

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any five questions.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. चिकित्साशास्त्र के उद्भव और विकास का सविस्तार वर्णन कीजिए। 18

Describe in detail the origin and development of Indian Medical Science.

2. भारतीय रसायनशास्त्र के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए। 18

Describe in detail the origin and development of Indian Rasayanashastra.

3. भारतीय मूर्तिकला के इतिहास को स्पष्ट कीजिए। 18

Explain the history of Indian Sculpture.

4. भारतीय ज्ञान परम्परा में विमानशास्त्र का क्या योगदान है ? 18

What is the contribution of Vimanashastra in Indian Knowledge tradition.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. संस्कृत व्याकरण के इतिहास का विस्तार से वर्णन कीजिए। 18

Describe in detail the history of Sanskrit Grammar.

6. संस्कृत साहित्य में अश्वशास्त्र के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए। 18

Describe in detail the origin and development of Ashvashastra in Sanskrit literature.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×9=18

(i) वनस्पतिशास्त्र

(ii) कोशशास्त्र

(iii) गजशास्त्र

(iv) चित्रकला

Write short notes on any *two* of the following :

(i) Botany

(ii) Dictionary

(iii) Gajashstra

(iv) Painting

9
[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6026

J

Unique Paper Code : 2132102401

Name of the Paper : MODERN SANSKRIT
LITERATURE

Name of the Course : BACHELOR OF ARTS
(HONOURS COURSE)
SANSKRIT, NEP UGCF
2022

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सानुवाद व्याख्या कीजिए :

(15)

Explain with translation of any two of the following verses :

- (i) आनन्दमाध्वीकसमुद्र एष त्वय्येव नित्यं हि जरीजृभीति ।

कस्तूरिकां नाभिगतां परत्रान्विष्यन् मृगस्त्वं न च बोभवीषि ॥

अथवा / OR

वैदेशिकानां क्षपणाय भूमीभृतां सितानां पिशिताशनानाम् ।

या निर्मिता विश्वसृजा प्रयत्नात् सौदामनीव द्युतलात् पतन्ती ॥

- (ii) अज्ञान-गाढान्ध-तमो निरस्य ज्ञान-प्रकाशेन समुज्ज्वलदिभः ।

लभ्यानि चान्यैः सह दुर्लभानि प्रशासकीयानि पदानि सम्यक् ॥

अथवा / OR

स्वत्वं स्वकीयं खलु विस्मृतं नो मृत-पिण्डवत् सर्वत आहताः स्मः ।

आ-जन्म नित्यं ननु दास-भूता धृताः शरीरेण मृता वसामः ॥

2. स्वातन्त्र्यसम्भवम् के अनुसार विद्या-नगरी के रूप काशी के माहात्म्य का वर्णन कीजिए। (10)

Describe the importance of Kashi Nagari as an educational-place according to Swatantryasambhavam.

अथवा / OR

“भीमायनम्” महाकाव्य में वर्णित कथा सन्देश को अपने शब्दों में लिखें ।

Write the narrative message of the Bhimayana epic in your own words.

3. ‘शतपर्विका’ कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। (10)

Write summary briefly the story of Shatparvika in your own words.

P.T.O.

अथवा / OR

आधुनिक संस्कृत नाटक के रूप में शार्दूलशकटम् की समीक्षा कीजिए ।

Analyse Shardulshaktam as a Modern Sanskrit drama.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सानुवाद व्याख्या कीजिए : (15)

Explain with translation of any two of the following :

- (i) निभृतनिभृतं रमा पुनः पितृशय्यासमीपं गतवती । दृष्टं तया यज्जलमल्लकं रिक्तमिदानीम् । हर्षोत्फुल्ललोचनाऽसौ स्वयमेव तर्कते - तत्किं पितृचरणेन मयानीतं जलं पीतम्? सत्यमेव पीतम् । इदानीं परितोषनिर्भरः ससुखं स्वपिति । भवतु चरणसंवाहनं करोमि ।

अथवा / OR

त्वया भृशमुपरुद्ध आसम् । त्वया गन्त्रितमासीत् यत् पुत्रीपुत्रयोर्न कोऽपि विशेषः । भाग्यायत्तमेव मनोवाञ्छितसन्ततिजन्म । अत्र पुरुषाधिकारो न प्रभवति । परन्तु मया मूढेन त्वामपि तिरस्कुर्वता मन्दबुद्धिरयमानीतः पुत्रवन्तमात्मानं विधातुम् ।

(ii) न सा परा विद्या यया न दीयते ज्ञानं

न तद्भवेज्ज्ञानं न येन दीप्यते चित्तम् ।

न चित्तभा रम्या यदा तु वर्तिका क्षीणा

क्व वर्तते स्नेहं विना नु शक्तियुक्ता सा ॥

अथवा / OR

अमृतवचनं नित्यं हि स्याज्जनान्तररञ्जनं,

रणमदकलं तस्मिन् मन्ये स्वभावनिराकृतम् ।

ज्वलति तपनो दीपज्योतिः सदैव निरंजनं,

न शशिकलया रुद्रं रूपं निदाघ अपि श्रितम् ॥

5. संकल्पगीतिः में वर्णित राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए । (10)

Throw light on National consciousness as depicted in Sankalpagiti.

P.T.O.

अथवा / OR

‘धीवरंगीतिः’ काव्य की समीक्षा कीजिए ।

Give a review of ‘Dhivargitih’.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (10)

Translate any two of the following :

(i) एकरूपे यदा हन्त सत्यानृते

अन्धकारेऽखिलं वस्तुजातं यथा ।

धर्मसिंहासने सत्यरक्षाव्रती

न्यायेकर्मण्यरे को नु हंसायते ॥

(ii) यूयं दीपं प्रज्वलायत,

तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे ।

अमृतचिन्तनं निमिषं कुरुत,

गरलं स्वयं गलिष्यति रे ॥

(iii) लहरीसङ्घट्टननादोऽयं तीव्रो जनयति भीतिम् ।

नालं प्रसृतामभिभवितुं त्वत्कण्ठनिर्गतां गीतिम् ।

(iv) वेदनायाः समीपे

शब्दाः न सन्ति

अतः

मौनमये रिक्तधनादेश पत्रे वेदना हस्ताक्षरं करोति ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(20)

Write short notes on any **four** of the following :

(i) पण्डिता क्षमाराव

(ii) परमानन्द शास्त्री

(iii) रामकरण शर्मा

P.T.O.

(iv) शंकरदेव अवतरे

(v) जगन्नाथ पाठक

(vi) श्रीधर भास्कर वर्णेकर

5

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6085

J

Unique Paper Code : 2132102402

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : B. A. (H.) Sanskrit, NEP UGCF

Semester : IV, DSC - 11

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

- (a) Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होने पर तुरन्त शीर्ष पर अपना अनुक्रमांक लिखें।
- (b) Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3 x 18 = 54

Answer any **three** questions out of the following:

- स्वच्छंदतावाद से आप क्या समझते हैं ? विश्व साहित्य के सन्दर्भ में इसका वर्णन करें।
What do you understand by Romanticism? Describe it in the context of world literature.
- वेदान्त दर्शन के महत्व तथा इसके वैश्विक प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the importance of Vedanta philosophy and its global impact.
- दक्षिणपूर्वी एशियाई संस्कृतियों में महाभारत की उपस्थिति का वर्णन कीजिए।
Describe the presence of the Mahabharata in Southeast Asian cultures.
- कालिदास की रचनाओं के विभिन्न यूरोपीय भाषाओं में हुए अनुवाद तथा उनके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the translations of Kalidasa's works into various European languages and their impact.

- v. संस्कृत अध्ययन के क्षेत्र में ब्रिटेन के योगदान को रेखांकित कीजिए।
Underline the contribution of Britain in the field of Sanskrit studies.

- 2 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3 x 6 = 18
Write short notes on any three of the following:

- i. उपयोगितावाद।
Utilitarianism.
- ii. दाराशिकोह के द्वारा किये गए उपनिषदों के फारसी अनुवाद।
Persian translation of Upanishads by Darashikoh.
- iii. दक्षिणपूर्व एशियाई देशों में रामकथा।
Story of Rama in Southeast Asian countries.
- iv. पंचतन्त्र की वैश्विक यात्रा।
Panchatantra's global journey
- v. संयुक्त राज्य अमेरिका में संस्कृत-अध्ययन की परम्परा।
Tradition of Sanskrit studies in United States of America.

- 3 निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए: 1 x 8 = 8
Write short note in Sanskrit on any one of the following:

- i. सर विलियम जोन्स।
Sir William Jones
- ii. भगवद्गीता का महत्व।
Importance of Bhagavad Gita

- 4 निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों के तीन भारोपीय भाषाओं के समतुल्य शब्द लिखिए: 2.5 x 4 = 10
Give the equivalent from any three Indo-European languages for any four of the words given below:

द्रुम (Drum), मधु (Madhu), श्रु (Śru), अस्थि (Asthi) श्वान (Śvana) पिता (Pita)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6436 J
 Unique Paper Code : 2133102006
 Name of the Paper : Art of Balanced Living – DSE
 Name of the Course : B.A. (Hons. Course) Sanskrit, NEP UGCF 2022
 Semester : IV
 Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3 x 18 = 54
 Answer any three questions out of the following:

(क) आत्मोत्थान के उपाय के रूप में श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन की भूमिका का वर्णन कीजिए।
 Describe the role of *Shravana*, *Manana* and *Nididhyasana* as measures for Self-improvement.

(ख) संतुलित जीवन जीने के लिए गीता में वर्णित ध्यान योग की महत्ता का प्रतिपादन कीजिए।
 Explain the importance of *Dhyana yoga* described in the *Geeta* for leading a balanced life.

(ग) योगसूत्र के अनुसार योग के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
 Throw light on the nature of *Yoga* according to *Yoga sutra*.

(घ) 'संतुलित जीवन सम्यक कर्म द्वारा संचालित होता है' इस कथन के परिप्रेक्ष्य में कर्म योग की व्याख्या कीजिए।
 'Balanced life is governed by right action', explain *Karma yoga* in the context of this statement.

(ङ) महर्षि पतंजलि द्वारा वर्णित चित्त प्रसादन के उपायों की व्याख्या कीजिए।
 Explain the measures of *Chitta prasadana* as described by Sage *Patanjali*.

- 2 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन श्लोकों की व्याख्या कीजिए:
Explain any **three shlokas** of the following:

3 x 6 = 18

- (क) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः।
आगमापायिनोऽनित्या स्तांस्तितिक्षस्व भारत॥
- (ख) यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति॥
- (ग) समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः।
ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम्॥
- (घ) तत्रैकस्थं जगत्कृत्स्नं प्रविभक्तमनेकधा।
अपश्यद्देवदेवस्य शरीरे पाण्डवस्तदा॥
- (ङ) कर्मणैव हि संसिद्धिमास्थिता जनकादयः।
लोकसङ्ग्रहमेवापि सम्पश्यन्कर्तुमर्हसि॥

- 3 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
Write short notes on any **two** of the following:

4 x 2 = 8

- (क) यम (Yama)
- (ख) अभ्यास (Abhyasa)
- (ग) भक्ति योग (Bhakti yoga)
- (घ) प्राणायाम (Pranayaam)

- 4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए:
Explain any **two sutras** of the following:

2 x 5 = 10

- (क) शौचसन्तोषतपःस्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि नियमाः।
- (ख) त्रयमेकत्र संयमः।
- (ग) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम्।
- (घ) तपःस्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि क्रियायोगः।

(100)

This question paper contains 2 printed pages.

Roll No. _____

Sl. No. of Question Paper : 6057
Unique Paper Code : 2132103601
Name of the Paper : Vedic Samhita and Grammar, DSC 16
Name of the Course : B. A. (H) Sanskrit
Semester : VI
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 90

Instructions for candidates:

- (a) Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होने पर तुरन्त शीर्ष पर अपना रोल नम्बर लिखें।
(b) Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

- 1 1. निम्नलिखित में से किन्हीं 3 मन्त्रों की व्याख्या कीजिए: 3 x 6 = 18
Explain any three of the following mantras:

- क) नीचा वर्तन्तुपरिस्फुरन्त्यहस्तासोहस्तवन्तसहन्ते।
दिव्याङ्गाराइरिणेन्युसाःशीताःसन्तोहृदयंनिर्दहन्ति॥
ख) गिरयस्ते पर्वता हिमवन्तोऽरण्यं ते पृथिवि स्योनमस्तु।
बभ्रुं कृष्णां रोहिणीं विश्वरूपां ध्रुवां भूमिं पृथिवीमिन्द्रगुप्तम्।
अजीतोऽहो अक्षतोऽध्यष्टां पृथिवीमहम् ॥
ग) सूर्यऽएकाकीचरतिचन्द्रमाजायतेपुनः।
अग्निर्हिमस्यभेषजंभूमिरावपनमहत्॥
घ) समानीप्रपासहवोऽन्नभागःसमानेयोक्त्रेसहवोयुनज्मि।
सम्यञ्चोऽग्निसंपर्यतारानाभिमिवाभितः॥
ङ) प्रजापतेनत्वदेतान्यन्योविश्वाजातानिपरिताबभूव।
यत्कामास्तेजुह्वमस्तन्नोअस्तुवयस्यामुपतयोरयीणाम्॥

- 2 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 2 मन्त्रों की प्रसंग व्याख्या कीजिए: 2 x 9 = 18
Explain any two of the following mantras with reference to context:

- क) अक्षैर्मादीव्यःकृषिमित्कृषस्ववित्तेरमस्वबहुमन्यमानः।
तत्रगावः कितवतत्रजायातन्मेविचष्टेसवितायमुर्यः॥
ख) यः प्राणतो निमिषतो मद्वित्वैक इद्राजा जगतो बभूव।
य ईशे अस्य द्विपदश्चतुष्पदः कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥
ग) यत्प्रज्ञानमुत चेतो धृतिश्च यज्योतिरन्तरमृतं प्रजासु।
यस्मान्नमृते किञ्चन कर्म क्रियते तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥
घ) सहृदयं सामनुस्यमविद्वेषं कृणोमि वः।
अन्यो अन्यमुभि हर्यत वत्सं जातमिवाघ्न्या ॥

3 3. निम्नलिखित में से किसी 1 मन्त्र की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 1 x 9 = 9

Explain with reference to context any one of the following mantra in Sanskrit:

यो वः सेनानीर्महतो गुणस्य राजा व्रातस्य प्रथमो बभूव ।
तस्मै कृणोमि न धनां रुणध्मि दशाहं प्राचीस्तदुतं वंदामि ॥

अथवा/or

यज्जाग्रतोद्गममुदैतिदैवतदुसुप्तस्यतथैवैति ।
दुर्दुग्गमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंस्कल्पमस्तु ॥

4 4. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से किसी एक प्रश्न को चुनते हुए किन्हीं 2 प्रश्नों का विस्तृत उत्तर दीजिए: 2 x 18 = 36

Answer any two of the following questions in detail, selecting one from each section:

खण्ड अ

क) हिरण्यगर्भ सूक्त के आधार पर 'क' देवता के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।

Elaborate the nature of 'Ka' Devatā on the basis of *Hiranyagarbha Sūkta*.

अथवा /or

ख) सांमनस्यम् सूक्त में वर्णित विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।

Review the relevance of the ideas described in *Sāhmanasyam Sūkta* in contemporary times.

खण्ड ब

क) महर्षि अरविन्द के विचारों के अनुसार अग्नि और सत्य के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

Elucidate the nature of *Agni* and *Satya* according to the thoughts of Maharshi Aurobindo.

अथवा/or

ख) वेदों की वैज्ञानिक भाषा पद्धति पर महर्षि अरविन्द के विचार प्रस्तुत कीजिए।

Render the thoughts of Maharshi Aurobindo on the Philological method of the Veda.

5 5. निम्नलिखित में से किन्हीं 2 पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 2 x 4.5 = 9

Write short notes on any two of the following:

क) पदपाठ के नियम (Rules of padapāth)

अथवा/or

जात्य स्वरित (Jātya svarita)

ख) क्तवार्थक प्रत्यय (Kvārthaka Pratyaya)

अथवा/or

तुमर्थक प्रत्यय (Tumarthaka Pratyaya)

अथवा/or

प्रश्नपत्र में प्रश्नसंख्या 1 और 2 में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ लिखिए।

Write Pada-pātha of one Mantra from question 1 or 2.

8

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6113

J

Unique Paper Code : 2132103602

Name of the Paper : SANSKRIT COMPOSITION AND
COMMUNICATION, DSC

Name of the Course : B. A. (Honours) SANSKRIT, UGCF NEP 2022

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates:

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or In Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper
3. All questions are compulsory.

विद्यार्थियों के लिये निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिये।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. द्वितीया विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 5
Explain with examples the rules of द्वितीया विभक्ति.
अथवा (OR)
सम्प्रदान और अधिकरण कारकों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए
Description with example सम्प्रदान and अपादान karkas.
2. शतृ और शानच् प्रत्ययों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए 5
Explain with example शतृ and शानच् suffixes.
3. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट करें। 10
What is the voice? Explain Types of voice with examples.

अथवा (OR)

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए:
Change the voice in any five of the following sentences:

- (i) बालकाः पुस्तकानि पठन्ति ।
- (ii) अहं फलं खादामि ।
- (iii) छात्रेण हस्यते ।
- (iv) सः फलं खादति ।
- (v) सीतया फलानि खाद्यन्ते ।
- (vi) ईश्वरः सर्वान् पश्यति ।
- (vii) मया पाठाः पठ्यन्ते ।
- (viii) यूयं पत्रं लिखथ ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए: 10
Explain the reason of the Vibhakti in underlined words in any five of the following sentences:

- (i) गां दोग्धि पयः ।
- (ii) छात्राः अध्ययनं कुर्वन्ति ।
- (iii) लेखकः हस्तेन लिखति ।
- (iv) सज्जनः ग्रामात् आयाति ।
- (v) नृपः भिक्षुकाय धनं ददाति ।
- (vi) मातुः स्मरति ।
- (vii) कटे आस्ते ।
- (viii) लक्ष्म्या हरिः सेव्यते ।
- (ix) क्रीडकाः क्रीडाक्षेत्रे क्रीडन्ति ।

5. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं पाँच रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: 5
Fill up the blanks of any five of the following with suitable suffixes:

- (i) सः गृहंपठित (गम्+क्त्वा)
- (ii) छात्राः विद्यालयं गच्छन्ति (पठ्+तुमुन्)
- (iii) लेखिकाः लिखन्ति (पठ्+शतृ)
- (iv) सेवकःगच्छति (सेव्+शानच्)
- (v) छात्रेण पुस्तकं(पठ्+क्त)
- (vi) विष्णुः विश्वं(कृ+क्तवत्)
- (vii) लोभंईश्वरं भज (परि+त्यज् +ल्यप्)
- (viii) मया ग्रन्थः(पठ्+तव्यत्)

6. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच वाक्यों को शुद्ध कीजिए:

5

Correct any five of the following sentences:

- (i) सैनिकाः राष्ट्रस्य रक्षति ।
- (ii) तौ कन्दुकेन क्रीडति ।
- (iii) ते पत्रम् लिखावः ।
- (iv) अहं भोजनं कुर्वन्ति ।
- (v) मम मोदकं रोचते ।
- (vi) अजा दुग्धं दोग्धि ।
- (vii) मनः सत्यात् शुद्ध्यति ।
- (viii) गृहस्य बहिः वृक्षाः सन्ति ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए:

5x 2 = 10

Translate in Sanskrit language any five sentence of the following:

- (i) बुद्धि ही बल से श्रेष्ठ है ।
- (ii) आप सब हमारे साथ संस्कृत पढ़ें ।
- (iii) बहन! आज आने में देर क्यों हुई ।
- (iv) सदाचार से विश्वास बढ़ता है ।
- (v) हम सब भारत के नागरिक हैं ।
- (vi) मानव जीवन को संस्कारित करना ही संस्कृति है ।
- (vii) वे लोग घर पर क्या करेंगे ।
- (viii) मंदिर के चारों ओर भक्त हैं ।

8. निम्न में से किसी एक का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

10

Translate any one of the following paragraphs into Hindi or into English:

एकस्मिन् ग्रामे एकस्य ब्राह्मणस्य आम्राणाम् एकम् अतिविशालम् उद्यानम् आसीत्। एकदा तस्य समीपे एकः युवकः आगच्छत्, अप्रार्थयत् च स्वभृत्यभावम्। तस्य विपन्नताम् अवस्थां विचार्य ब्राह्मणेन सः युवकः स्व-उद्यानस्य रक्षणार्थं नियुक्तः। तदनन्तरं दत्तचित्तः सः तस्य उद्यानस्य अवेषणं रक्षणं च करोति स्म। एवं बहूनि वर्षाणि व्यतीतानि। सः युवकः उद्याने खलु एकस्मिन् स्थले निर्मितायां पर्णशालायाम् एव वसति स्म, तन्मयभावेन स्वकर्तव्यं करोति स्म। ब्राह्मणः अपि तस्य समर्पणभावेन अतिप्रसन्नः आसीत् एकदा ब्राह्मणस्य समीपे तस्य घनिष्ठः मित्रम् आगच्छत्। तं मित्रं सः ब्राह्मणः स्व उद्यानम् आनयत्। उद्यानं गत्वा सः तं युवकं शय्या-प्रसारणाय मधुराणि फलानि च आनेतुम् आदिदेश। पर्णशालायाः वहिर्भागे शय्यां प्रसार्य सः युवकः विनम्रभावेन शीतलं जलमपि पानार्थम् आनीतवान्। ततः सः आम्राणि आनेतुम् अगच्छत्। अति प्रयत्नेन सः कानिचित् पक्वानि फलानि गृहीत्वा ब्राह्मणस्य समीपम् आगतवान्। जानि कन्सर्वाणि तत्र स्थिते जलपात्रे प्रक्षाल्य स्व स्वामिनः समक्षे प्रस्तुतवान्।

अथवा (OR)

कश्चन व्याधः आसीत्। सः एकदा मृगयार्थं वनं गतवान्। बहुकालानन्तरं सः एकं वराहं दृष्टवान्। तं लक्ष्यीकृत्य सः बाणप्रयोगं कृतवान्। वराहस्य शरीरे महान् व्रणः जातः। व्रणितः वराहः कोपेन व्याधस्य उपरि आक्रमणं कृतवान्। स्वीयाभिः तीक्ष्णाभिः दंष्ट्राभिः तस्य शरीरं विदीर्णवान्। तेन व्याधः मृतः।

P.T.O.

बाणप्रहारवेदनया वराहः अपि मृतः । तस्मिन् एव वने कश्चन शृगालः आसीत् । सः अतीव लुब्धः । सः शृगालः आहारान्वेषणं कुर्वन् तत्र एव आगतवान् । व्याधस्य वराहस्य च मृतं शरीरं सः दृष्टवान् । तत् दृष्ट्वा सः चिन्तितवान् - 'अद्य मम दैवम् अनुकूलम् अस्ति । यथेष्टम् आहारः विनायासं लब्धः । एषः आहारः बहुदिनानां कृते पर्याप्तः भविष्यति । अतः प्रतिदिनम् अपि किञ्चिदेव खादामि' इति ।

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए: 20
Write an essay on the following topics in Sanskrit language:

वेदानां महत्त्वम्, भारतीया संस्कृतिः, उपमा कालिदसस्य, संस्कृतभाषाया महत्त्वम् ।

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए: 10
Write an essay on the following topics in Sanskrit language:
आतङ्कवादः, जलवायुपरिवर्तनम्, सङ्गणकस्य उपयोगिता, मम प्रिय क्रीडा ।

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **6167** **I**

Unique Paper Code : 2132103603

Name of the Paper : Poetics and Literary
Criticism, DSC

Name of the Course : **B. A. (H) Sanskarit,**
NEP UGCF 2022

Semester : VI

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

6167

(c) Answer any 5 of the following questions :
Question number 7 is compulsory.

निम्नलिखित में से किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर दीजिए,
प्रश्न संख्या 7 अनिवार्य है।

1. Write an essay on the origin and development of Sanskrit poetics. 18
संस्कृत काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास पर एक निबंध लिखिए।
2. Analyze the cause or purpose of poetry according to *Acharya Mammata*. 18
आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य हेतु का विवेचन कीजिए।
3. Critically examine the statement "*Vākyam rasātmakam kāvyam*". 18
“वाक्यं रसात्मकम् काव्यम्” की समीक्षा कीजिए।
4. Define 'Shabda Shakti' (power of words) and analyze 'Abhidha Shakti' (denotative power). 18
शब्दशक्ति को परिभाषित करते हुए अभिधा शक्ति का विवेचन कीजिए।

5. Discuss 'Lakshana Shakti' "Lakshana tena ṣaḍvidhā" (Lakshana is of six types).

“लक्षणा तेन षड्विधा” का विवेचन कीजिए।

6. Evaluate the interpretation of Bharata's Rasa Sutra by Bhattanayaka. 18

भरत के रससूत्र की भट्टनायक कृत व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए।

7. Write comments on any **three** of the following :

3×6=18

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

- (i) (Drama) (Nāṭaka)

नाटक

- (ii) (Aakhyayika)

आख्यायिका

- (iii) (Vyanjana)

व्यंजना

6167

(iv) (Khandkavya)

खण्डकाव्य

(v) (Abhivyaktivaada)

अभिव्यक्तिवाद

10

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **6322** **I**

Unique Paper Code : **2133100016**

Name of the Paper : **Research Methodology
for Sanskrit Studies,**

Name of the Course : **Bachelor of Arts
(Honours Course)
Sanskrit, NEP UGCF
2022**

Semester : **VI**

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(c) Answer **All** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Draw a brief outline of Research Work. 18

शोधकार्य की एक संक्षिप्त रूपरेखा बनाइए।

OR/अथवा

Comment on different Methodologies of Research in the field of Shastric Sanskrit.

शास्त्री संस्कृत के क्षेत्र में शोध की विभिन्न पद्धतियों पर टिप्पणी कीजिए।

2. What is a survey? Explain the significance and role of surveys in data collection. 18

सर्वेक्षण क्या है ? आंकड़ों के संग्रहण में सर्वेक्षण के महत्त्व और भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

OR

अथवा

Under Literature Review, write a full length essay on Methods of Survey.

साहित्य समीक्षा के अंतर्गत शोध-सर्वेक्षण की विधियों पर एक पूर्ण निबंध लिखिए।

3. What are the methods of making references? Explain the referencing rules for various sources like books, journals, websites, etc., with examples. 18

संदर्भ तैयार करने की विधि क्या है ? विभिन्न स्रोतों जैसे पुस्तक, जर्नल, वेबसाइट आदि के लिए संदर्भ सूची बनाने के नियमों को उदाहरण सहित समझाइए।

OR/अथवा

Explain the characteristics of various referencing styles such as APA, MLA, Chicago, and Harvard. Discuss in detail the most appropriate style for referencing in Sanskrit language texts.

विभिन्न संदर्भ शैलियों (Style Sheets) जैसे ए.पी.ए. शैली, एम.एल.ए. शैली, शिकागो शैली, हार्वर्ड-शैली आदि की विशेषताओं को समझाइए। विशेष रूप से संस्कृत भाषा के लिए उपयुक्त शैली पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

4. Introduce various components of referencing. 18

संदर्भ के विभिन्न घटकों का परिचय दें :-

OR/अथवा

Introduce the major computational tools available for transliterating from Devanagari to Roman script. Explain how they function.

देवनागरी से रोमन लिपि में लिप्यंतरण के लिए उपलब्ध प्रमुख कंप्यूटेशनल टूल्स का परिचय दीजिए। उनके कार्यप्रणाली की व्याख्या कीजिए।

5. Write shorts notes on any **three** of the following : 6×3=18

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (a) Process of topic selection for research

अनुसंधान विषय के चयन की प्रक्रिया

- (b) Topic Selection

विषय चयन

- (c) Techniques of the Survey

सर्वेक्षण की प्रविधि

- (d) Software of Referencing

संदर्भित करने का सॉफ्टवेयर

- (e) T-Trans

टी-ट्रान्स

- (f) Research Journals

शोध पत्रिका

11

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4152

J

Unique Paper Code : 2131001002

**Name of the Paper : INTRODUCTORY
(UPANISHAD AND
GEETA)**

**Name of the Course : COMMON PROG GROUP,
NEP UGCF 2022**

Semester : II

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer all questions.
3. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

**कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY**

P.T.O.

2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए
3. अन्यथा आवश्यक न होनेपर, इस प्रश्न पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. 'ॐ ईशावास्यमिदं सर्वं यत् किञ्च' की वर्तमान काल में प्रासंगिकता बताएं। (15)

Elucidate the contemporary importance of ॐ ईशावास्यमिदं सर्वं यत् किञ्च जगत्यां जगत् ।

अथवा / OR

ईशावास्योपनिषद् की विषय वस्तु की विवेचना कीजिए।

Explain the subject matter of ईशावास्योपनिषत् ।

2. किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए । (7.5x2=15)

Comment upon any two of the following -

(क) उपनिषदों का दर्शन

(ख) विद्या

(ग) अविद्या

(घ) सम्भूति

3. श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग की विस्तृत विवेचना कीजिए। (15)

Describe in detail the कर्मयोग पद श्रीमद्भगवद्गीता

अथवा / OR

श्रीमद्भागवद्गीता से हमें क्या प्रमुख शिक्षाएँ मिलती हैं ?

What are the prime teachings that we receive from श्रीमद्भगवद्गीता

4. किन्हीं दो पर टिप्पणी करें (7.5x2=15)

Comment on any two of the following-

(क) आत्मा का स्वरूप

(ख) भक्तियोग

4152

4

(ग) ज्ञानयोग

(घ) गीता का महत्त्व

(12)

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 5433

Unique Paper Code : 2135001001

Name of the Paper : Basic Principles of Ayurveda

Name of the Course : Common Prog Group : Sanskrit

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आचार्य वाग्भट्ट का उल्लेख करते हुये उनके ग्रन्थों का सविस्तार परिचय दीजिए।

18

Give brief introduction of Acharya Vagbhatta and introduce his treatises in detail.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा/Or

आयुर्वेद के प्रयोजन को स्पष्ट करते हुये वात, पित्त एवं कफ दोषों की विवेचना कीजिए।

Explain the purpose of Ayurveda and discuss Vata, Pitta and Kapha doshas.

2. पञ्चमहाभूत का सविस्तार वर्णन कीजिए। 18

Describe the Panchmahabhuta in detail.

अथवा/Or

आयुर्वेद के अनुसार सप्तधातुओं की विवेचना कीजिए।

Discuss Saptadhatu according to Ayurveda.

3. अष्टाङ्ग आयुर्वेद का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 18

Give a brief introduction of Ashtanga Ayurveda.

अथवा/Or

आयुर्वेद के अनुसार शालाक्य एवं शल्यचिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the importance of Shalakya and Shalyachikitsa according to Ayurveda.

4. आयुर्वेद के अनुसार औषधीय पौधों के महत्व पर प्रकाश डालिए। 18

Throw light on the importance of medicinal plants according to Ayurveda.

अथवा/Or

दैनन्दिन जीवनोपयोगी किन्हीं पाँच औषधीय पौधों का उदाहरण सहित संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Briefly describe any five medicinal plants useful in daily life with examples.

5. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

6×3=18

Write short notes on any *three* of the following :

- (i) जामुन (Berries)
- (ii) कौमारभृत्य (Pediatrics)
- (iii) भूतविद्या (Psychiatry Medicine)
- (iv) अष्टाङ्गहृदय (Ashtang Hridayam)
- (v) त्रिमल (Trimalas)
- (vi) नीम (Neem)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7730

J

Unique Paper Code : 2132201201

Name of the Paper : Sanskrit Prose (DSC)

Name of the Course : B.A. (P) Sanskrit, NEP-UGCF

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in **Hindi or in English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

- 1 निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों का अनुवाद कीजिए :

2x8 = 16

Translate any two of the following paragraphs:

(क) गुरुपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षमम् अजलंस्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदो दोषं गुरुकरणम्, असुवर्णविरचनम् अग्राम्यंकर्णभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः। विशेषेणतु राज्ञाम् । विरला हि तेषामुपरदेष्टारः । प्रतिशब्दक इव राजवचनमनुगच्छति जनो भयात् ।

(ख) इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पल वनविभ्रम भ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात् पारिजातपल्लवेभ्यो रागम्, इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम्, उच्चैःश्रवसश्चञ्चलताम्, कालकूटान्मोहनशक्तिम्, मदिरायामदम्, कौस्तुभमणेरतिनैष्ठुर्यम्, इत्येतानि सहवासपरिचयवशाद्विरहविनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्गता।

(ग) अलं भो अलम् ! मयैव पूर्वमवचितानि कुसुमानि, त्वं तु चिरं रात्रावजागरीरिति क्षिप्रं नोत्थापितः, गुरुचरणा अत्र तडागतटे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया निखिला सामग्री तेषां समीपे। यां च सप्तवर्षकल्पाम्, यावनत्रासेन निःशब्दं रुदतीम्, परमसुन्दरीम्, कलित - मानव-देहामिव सरस्वतीं सान्त्वयन् मरन्द- मधुरा अपः पाययन्।

(घ) वीर ! गृहीतमखिले वित्तम्, पराजिता आर्यसेनाः, बन्दीकृता वयम्, सञ्चितममलं यशः, इतोऽपि न शाम्यति ते क्रोधश्चेदस्मांस्ताडय, मारय, छिन्धि, भिन्धि, पातय, मज्जय, खण्डय, कर्तय, ज्वलयः, किन्तु त्यजेमामकिञ्चित्करीं जडां महादेव-प्रतिमाम्। यद्येवं न स्वीकरोषि तद् गृहाणास्मत्तोऽन्यदपि सुवर्णकोटिद्वयम्, त्रायस्व, मैत्रा भगवन्मूर्तिं सप्राक्षीः।

2 निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

2x10 = 20

Explain the following paragraphs with reference to the context:

(क) अभिजातमहिमिव लंघयति। शूरं कण्टकमिव परिहरति। दातारं दुःस्वप्नमिव न स्मरति। विनीतं पातकिनमिव नोपसर्पति। मनश्चिन्तमुन्मत्तमिवोपहसति।

अथवा/or

इन्द्रियहरिणहारिणीचसततमतिदूरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका। नवयौवनकषायितात्मनश्चसलिलानीव तान्येवविषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानिमधुतराण्यापतन्तिमनसः।

(ख) ह्यः सम्पादित सायन्तन-कृत्ये, अत्रैव कुशाऽऽस्तरणमधिष्ठिते मयि, परितः समासीनेषु छात्र-वर्गेषु, समुदिते यामिनी-कामिनी-चन्दनबिन्दौ इव इन्दौ, अस्मिन्नीतिवार्ता शुश्रूषुषु इव मौनमाकलयत्सु पतंग-कुलेषु, अस्पष्टाक्षरम्, कम्पमान-निःश्वासम्, क्षथत्कण्ठम्, घर्घरितस्वनम्, चीत्कारमात्रम्, दीनतामयम्, अत्यवधानश्रव्यत्वादनुमितदविष्टतं क्रन्दनमश्रौषम्।

अथवा/or

शिव इव धृतावतारः शिववीरः सिंहदुर्गे ससेनो निवसति । विजयपुराधीश्वरेण साम्प्रतमस्य प्रवृद्धं वैरम्। "कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम् ।" इत्यस्य सारगर्भा महती प्रतिज्ञा। सतीनाम्, सताम्, त्रैवर्णिकस्य आर्यकुलस्य, धर्मस्य, भारतवर्षस्य च आशा-सन्तान-वितानस्यायमेवाऽऽश्रयः। इयमेव वर्तमाना दशा भारतवर्षस्य।

- 3 शुकनासोपदेश' के आधार पर 'लक्ष्मी' का वर्णन कीजिए।
Describe Lakshmi on the basis of Shukanasopadesha.

14

अथवा/or

संस्कृत साहित्य में बाणभट्ट के स्थान की विवेचना कीजिए।
Critically examine the place of Banabhatta in Sanskrit Literature.

4. शिवराजविजयमें ब्रह्मचारी गुरु के वर्णनानुसार तत्कालीन भारतीय समाज की स्थिति पर प्रकाश डालिए।
Describe the condition of Indian society at that time as described by the Brahmachari Guruin Shivarajavijaya.

14

अथवा/or

अम्बिकादत्तव्यास की गद्यशैली पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the prose style of Ambikadatta Vyasa.

5. निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।
Write a detailed note on any one of the following:

8

- I. युवावस्था के दोष - Yuvavastha ke dosh
II. ब्रह्मचारी गुरु - Bramhachari Guru

6. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए।

3×6=18

Write notes on any four of the following.

- I. पञ्चतन्त्र- Panchatantra
- II. पुरुषपरीक्षा- Purushapariksha
- III. सिंहासनद्वात्रिंशिका- Simhasanadvatrinshika
- IV. वेतालपंचविंशतिका - Vetala Panchavimshatika
- V. वासवदत्ता - Vasavadatta

14

33(E) **17/06/25**

[This question paper contains 3 printed pages]

Your Roll No. :
Sl. No. of Q. Paper : **7742** **I**
Unique Paper Code : **2022201202**
Name of the Paper : **Mahāyāna Buddhist Philosophy**
Name of the Course : **B. A. (Prog.) Buddhist Studies/DSC/MJ/25 NEP (UGC-F - 2022)**
Semester : **II**

(Admission in 2022, 2023 and 2024)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(c) Attempt **four** questions in all. Question No.1 is Compulsory.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. Write short notes on any **two** : 15×2=30

किन्हीं दो पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए :

(a) Bodhicitta

बोधिचित्त

(b) Daśabhūmi

दशभूमि

(c) Pārmitā

पारमिता

(d) Trikāya

त्रिकाय

2. Discuss the role of socio-economic factors in the origin and development of Mahāyāna Buddhism. 20

महायान बौद्ध धर्म के उद्भव और विकास में सामाजिक-आर्थिक कारकों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

3. Discuss the concept of *śūnyavāda* in detail. 20

शून्यवाद की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

4. What do you understand by Nav-Vaipulya Sutra ? Discuss in detail. 20
नव-वैपुल्य सूत्र से आप क्या समझते हैं ? विस्तार से चर्चा कीजिए।
5. Write an essay on the Bodhisattva-Ideal. 20
बोधिसत्व-आदर्श पर एक निबंध लिखिए।
6. Discuss the concept of *ālayavijñāna*. 20
आलयविज्ञान की अवधारणा पर चर्चा कीजिए।
7. What are the main principles of the Mahāyāna Buddhism. On what accounts it is considered different from Hinayāna Buddhism ? Discuss. 20
महायान बौद्ध धर्म के मुख्य सिद्धांत क्या हैं ? किन कारणों से इसे हीनयान बौद्ध धर्म से भिन्न माना जाता है ? चर्चा कीजिए।

15

[This question paper contains 3 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **7662** **I**

Unique Paper Code : 2022201201

Name of the Paper : Theravada Buddhist
Philosophy

Name of the Course : **B.A.(Prog.)**
Buddhist Studies

Semester : II

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(c) Attempt **four** questions in all. Question No. 1 is compulsory.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है।

1. Write short notes on any **two** of the following :
15×2=30

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Pancaskandha

पञ्चस्कन्ध

(b) Anicca

अनिच्च

(c) Pāramitā

पारमिता

(d) Ariya Atṭhaṅgika Magga

अरिय-अट्ठांगिक-मगग

2. Explain the concept of Trilaksana (Three Marks of Existence) in Buddhism. 20

बौद्ध धर्म में त्रिलक्षण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

3. Discuss in detail the concept of Karma and Rebirth in detail. 20

कर्म और पुनर्जन्म की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

4. What do you understand by Paṭiccasamuppāda ? Discuss its Dvādasā Nidāna. 20

पटिच्चसमुप्पाद से आप क्या समझते हैं ? इसके द्वादस निदान पर चर्चा कीजिए।

5. Write an essay on the concept of Anatta. 20
अनत्ता की अवधारणा पर एक निबंध लिखिए।

6. Do you agree with the statement that Buddhism deals with suffering and cessation of suffering ? Explain. 20

क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि बौद्ध धर्म दुःख और दुःख निवारण से संबंधित है ? स्पष्ट कीजिए।

7. What are the main principles of the Four Noble Truths. Explain in detail. 20

चार आर्य सत्य के प्रमुख सिद्धांत क्या हैं ? विस्तार से समझाइए।

76

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7308

J

Unique Paper Code : 2022202001

Name of the Paper : Principle Elements of
Theravada Buddhist Thoughts

Name of the Course : B.A. (Prog.). Buddhist Studies

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt Four Questions in all
3. Question No. 1 is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on any two: (15 x 2 = 30)

किन्हीं दो पर संक्षेप में टिप्पणी लिखें

- (a) Pañicaskandha (पंचस्कन्ध)
 - (b) Mettā (मेत्ता)
 - (c) Arhat (अर्हत्त)
 - (d) Pañcas'īla (पंचशील)
2. Explain the Satipattanā Sutta (Discourse on the Foundations of Mindfulness) in detail. . (20)

सत्तिपठाण सुत्त को विस्तार से समझाइए ।

3. Discuss the origin and development of Theravāda Buddhism (20)

थेरवाद बौद्ध धर्म की उत्पत्ति और विकास पर चर्चा कीजिए ।

4. Discuss Brahmavihāra and its four supreme states of mind in detail. (20)

ब्रह्मविहार और उसकी चार सर्वोच्च मनःस्थितियों पर विस्तार से चर्चा कीजिए ।

5. What do you understand by dasasikkhāpadam in Buddhism? Discuss. (20)

बौद्ध धर्म में दशसिक्खपदम् से आप क्या समझते हैं? चर्चा कीजिए ।

6. Discuss nibbāna and its stages in detail. (20)

निब्बान और उसके चरणों पर विस्तार से चर्चा कीजिए ।

7. What is the difference between a Buddha, a Pacceka Buddha and an Arhat ? Explain. (20)

बुद्ध, पच्चेक बुद्ध और अर्हत्त में क्या अंतर है? समझाइए ।

17

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7449

J

Unique Paper Code : 2132202401

Name of the Paper : Dharmashastra Studies

Name of the Course : B. A. (P.), UGCF

Semester : IV DSC A4

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(18×3=54)

Answer any three questions out of the following:

- (a) प्रमुख स्मृति ग्रन्थों पर एक निबन्ध लिखें ।

Write an essay on major Smriti texts.

- (b) प्राचीन भारत में धर्म के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of religion in ancient India.

- (c) मानवजीवन में पुरुषार्थ की महत्ता का विवेचन कीजिए ।

Discuss the importance of Purusharth in human life.

- (d) प्राचीन विधि व्यवस्था पर एक निबन्ध लिखें ।

Write an essay on ancient Indian legal system.

- (e) राज्य के सप्तांग सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

Review the sevenfold theory of the state.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(6 x 3 = 18)

Write short notes on any three of the following:

(i) मण्डल सिद्धान्त (Mandala theory)

(ii) दान (Dana)

(iii) श्राद्ध (Shraaddha)

(iv) तीर्थयात्रा (Pilgrimage)

(v) प्राचीन भारतीय दण्ड संहिताएं (Ancient Indian penal codes)

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए:

(8×1=8)

Write short note in Sanskrit on any one of the following:

(i) पुराण (Purana)

(ii) मनुस्मृति (Manusmriti)

(iii) महापातक (Mahapatakas)

(iv) प्रायश्चित्त (Atonement)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (एक अथवा दो पंक्ति) दीजिए: (5 x 2 = 10)

Answer any Five questions of the following in short (One or two lines):

- (a) व्यवहार से आप क्या समझते हैं ?

What do you understand by Vyavahaara?

- (b) विवाह के प्रकार

Type of marriages

- (c) पुरुषार्थों के नाम लिखें ।

Write the names of purusharthas.

- (d) रामायण और महाभारत के लेखकों के नाम बताइए ।

Give the names of the authors of Ramayana and Mahabharata.

- (e) स्मृतिचन्द्रिका का लेखक कौन है?

Who is the author of the Smritichandrika?

- (f) किसी एक धर्मसूत्र की विषयवस्तु बताइये ।

Give the subject matter of any Dharmasutra text.

- (g) सूत्रसाहित्य किस वेदाङ्ग का अङ्ग है?

Which Vedanga does Sutra literature belong to?

18

[This question paper contains 2 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : 7489

Unique Paper Code : 2022202002

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Buddhist Studies

Name of the Paper : Buddhist School of
Thoughts

Semester : IV

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates :

छात्रों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

- (c) Attempt **four** questions in all. Question No. 1 is compulsory.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

7489

1. Write short notes on any **two** of the following :
15×2=30

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षेप में टिप्पणी लिखें :

(a) Bhikṣuṇī-saṅgha

भिक्षुणी सङ्घ

(b) Dasavatthuni Dhamma

दशवत्थुनि धम्म

(c) Anātman

अनात्मन्

(d) Sarvāstivāda

सर्वास्तिवाद

2. Discuss in detail the classification of Dharma according to Vaibhāsika Philosophy. 20

वैभाषिक दर्शन के अनुसार धर्म के वर्गीकरण पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

3. Enumerate the origin and gradual development of the Buddhist saṅgha. 20

बौद्ध सङ्घ की उत्पत्ति और क्रमिक विकास का वर्णन कीजिए।

4. Explain the main principles of the Sautrāntika school of Buddhism. 20

बौद्ध धर्म के सौत्रान्तिक संप्रदाय के मुख्य सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

5. Discuss the concept of Ālayavijñāna. 20

आलयविज्ञान की अवधारणा पर चर्चा कीजिए।

6. Explain the philosophy of śūnyavāda in detail. 20

शून्यवाद के दर्शन को विस्तार से समझाइए।

7. Explain the causes and results of the Second Buddhist Council. 20

द्वितीय बौद्ध संगीति के कारणों एवं परिणामों की व्याख्या कीजिए।

(19)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7511

J

Unique Paper Code : 2132202402

Name of the Paper : Readings from Vedas,
DSC A/B

Name of the Course : B.A. (P.), UGCF NEP
2022

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(18x3=54)

Answer any **three** questions out of the following:

(क) पाश्चात्य विद्वानों के अनुसार वेदों का काल निर्धारण प्रस्तुत करें।

Present the chronology of the Vedas according to western scholars.

- (ख) वर्तमान सन्दर्भ में अक्षसूक्त की प्रासंगिकता को स्पष्ट करें ।

Relevance of the present context to the Akshasukta.

- (ग) शिव संकल्प सूक्त में वर्णित मन के महत्त्व को स्पष्ट करें।

Explain the importance of the mind as described in the Shiva Sankalpa Sukta.

- (घ) 'निरुक्तं श्रोत्रमुच्यते' को स्पष्ट करें ।

Explain 'Niruktam Shrotramuchyate'.

- (ङ) 'भूमिसूक्त' पर्यावरण संरक्षण का सन्देश देता है । स्पष्ट करें ।

'Bhumi Sukta' gives the message of environment protection.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(6×3=18)

Write short notes on any three of the following:

(क) वैदिक देवता अग्नि का स्वरूप ।

Vedic deity Agni.

(ख) उपनिषद् दर्शन के सिद्धान्तों का विवेचन करें ।

Discuss the principles of Upanishad philosophy

(ग) कठोपनिषद् में वर्णित तीन वर ।

The three Varas mentioned in the Katha
Upanishad.

(घ) ब्राह्मण ग्रन्थों का वर्ण्य विषय ।

The subject-matter of the Brahmin texts.

(ङ) वेदाङ्गों का सामान्य परिचय ।

General introduction to Vedangas.

निम्नलिखित में से किसी एक पर विस्तृत चर्चा कीजिए:

(8×1=18)

Discuss in detail any one of the following:

(क) वर्तमानसन्दर्भ में अक्षसूक्त की प्रासङ्गिकता ।

Relevance of the Akshasukta in present context.

(ख) आरण्यकग्रन्थों का वर्ण्यविषय ।

The narrative of the Aranyaka texts.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(5 x 2 = 10)

Write short notes on any five questions of the following:

- (i) पाणिनि ।

Panini.

- (ii) साम ।

Sam.

(iii) उपनिषद्।

Upanishads.

(iv) शुक्ल यजुर्वेद ।

Shukla Yajurveda.

(v) वेद-उपवेद

Veda-Upaveda.

(vi) चार ऋत्विज ।

Four Ritvij.

(vii) पिंगल ।

Pingala.

(viii) अग्नि ।

Agni.

[This question paper contains 12 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 965

J

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : B.A. (H) Core, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

भाग – 'क'

(Part A)

1. सप्तमी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(4)

Explain the rules of सप्तमी विभक्ति with examples.

अथवा

OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए :-

Explain any two of the following sutras:

स्वतन्त्रः कर्ता, कर्तुरीप्सिततममं कर्म, धरुवमपायेऽपादानम्, साधाकतमं करणम्

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों में सूत्र निर्देश पूर्वक विभक्ति का कारण बताइए- (4)

Explain the reason of the case ending in any four sentences

(i) ग्रामम् परितः जलम् अस्ति ।

(ii) कर्णेन बधिरः ।

(iii) अग्नये स्वाहा ।

(iv) बालकाय मोदकं रोचते ।

(v) पुत्रं पापाद् निवारयति ।

(vi) छात्राणां रामः श्रेष्ठः ।

(vii) सः विद्यालये पठति ।

(viii) अन्नस्य हेतोः वसति ।

P.T.O.

3. कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाने के नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
(8)

Explain with examples the rules for changing the active Voice sentences into passive voice.

अथवा

OR

तव्यत् और अनीय प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

Explain with examples tavyat and aniyar suffixes.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए:
(5)

Change the voice of any five of the following sentences

(i) सः भोजनं खादति ।

(ii) मया पठ्यते ।

(iii) तेन अत्र भूयते ।

(iv) मया बाला दृष्टा ।

(v) सः ग्रामं गच्छति ।

(vi) बालकः हसति ।

(vii) जनकेन बालिका दृश्यते ।

(viii) ते हसन्ति ।

भाग ख

(Part B)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए : (7)

Translate in Sanskrit language any Seven Sentence of the followings

1. मेरा नाम राम है।

My name is Ram.

2. आप कहां रहते हो।

Where do you live.

3. बालिका का कल्याण हो ।

God bless the girl.

4. हिमालय से यमुना निकलती है।

The Yamuna originates from Himalayas.

5. इस बालिका को यह ग्रंथ अच्छा लगता है।

This girl likes this book.

6. राम से कृष्ण चतुर है।

Krishna is clever than Ram.

7. कल रविवार था ।

Yesterday was Sunday.

8. राम ने रावण को बाण से मारा।

Ram Killed Ravana with arrow

9. गुरु शिष्य पर क्रोधात हो गया ।

The teacher got angry with the students.

- 10 गंगा - यमुना के बीच में प्रयाग है।

Prayag lies the middle of Ganga-Yamuna.

6. निम्न में से किसी एक का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

(8)

Translate any one of the following paragraphs into Hindi or into English:

भारतवर्षे ग्रामप्रधानः देशः अस्ति। अधिका जनता ग्रामेषु एव निवसति । ग्रामवासिनः जनाः ग्रामीणाः इति कथ्यन्ते। ग्रामीणानां जनानां दिनचर्या शोभना शिक्षाप्रदा च भवति । ग्रामेषु ग्रामीणाः जनाः प्रातः चतुर्वादने उत्तिष्ठन्ति । ते शोचं स्नानं सन्ध्याम् अन्यत् च आवश्यकं कार्यं कृत्वा स्वकीयेषु कार्येषु संलग्नाः भवन्ति । ग्रामान् परितः शस्यैः पूर्णानि क्षेत्राणि भवन्ति । सर्वतः शस्यश्यामला भूमिः दृश्यते । तत्र उद्यानेषु सुन्दराणि पुष्पाणि फलानि च दृश्यन्ते। ग्रामेषु स्वच्छः वायुः प्रवहति । ग्रामेषु शुद्धं जलम्, स्वच्छः वायुः, शुद्धं दुग्धां, शुद्धं घृतम्, शुद्धानि खाद्यवस्तूनि च प्राप्तानि भवन्ति । अतः ग्रामेषु स्वास्थ्यं समीचीनं भवति । तत्र जनाः हृष्टाः पुष्टाः बलवन्तः प्रसन्नाः भवन्ति । ग्रामेषु जीवनम् अति सुन्दरं भवति ।

अथवा

OR

पुरा कस्मिंश्चिद् ग्रामे एका निर्धना वृद्धा स्त्री न्यवसत् । तस्याः च एका दुहिता विनम्रा मनोहरा चासीत् । एकदा माता स्थाल्यां तण्डुलान् निक्षिप्य पुत्रीम् आदिशत्। “सूर्यातपे तण्डुलान् खगेभ्यो रक्ष।” किञ्चित् कालादनन्तरम् एको विचित्रः काकः समुड्डीय तस्याः समीपम् अगच्छत् । नैतादृशः स्वर्णपक्षो

रजतचञ्चुः स्वर्णकाकस्तया पूर्वं दृष्टः। तं तण्डुलान् खादन्तं हसन्तञ्च विलोक्य बालिका रोदितुमारब्धा। तं निवारयन्ती सा प्रार्थयत् - “तण्डुलान् मा भक्षय। मदीया माता अतीव निर्धना वर्तते।” स्वर्णपक्षः काकः प्रोवाच, “मा शुचः। सूर्योदयात्प्राग् ग्रामाद्बहिः पिप्पलवृक्षमनु त्वया आगन्तव्यम्। अहं तुभ्यं तण्डुलमूल्यं दास्यामि।” प्रहर्षिता बालिका निद्रामपि न लेभे। सूर्योदयात्पूर्वमेव सा तत्रेपस्थिता। वृक्षस्योपरि विलोक्य सा च आश्चर्यचकिता सञ्जाता यत् तत्र स्वर्णमयः प्रासादो वर्तते।

7. दो मित्रों के मध्य होने वाले योग के महत्त्व विषयक वार्तालाप को संस्कृत भाषा में लिखिए।

Write the conversation between two friends on the topic importance of Yoga in Sanskrit language.

अथवा

OR.

निम्नलिखित में से किन्हीं छः को शुद्ध कीजिए।

Correct any six of the following:

- (i) अहम् पठसि

P.T.O.

(ii) द्वौ बालकाः स्तः ।

(iii) जनकं स्मरति ।

(iv) लता विद्यालये गच्छति ।

(v) अनेन पापेन निवारयति ।

(vi) गुरुः शिष्ये क्रुधयति ।

(vii) अहं पुस्तकं पठ्यते ।

(viii) नेत्रस्य काणः ।

8. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (6)

Fill up the blanks of any six of the following with suitable suffixes:

1. मोहनः _____ (वद् + क्त्वा) लिखति ।

2. तेन धनं _____ (लभ् + क्त)
3. त्वया पाठः _____ (पठ् + क्तव्यत्)।
4. बालकाः पाठं _____ (पठ् + क्तवतु)।
5. _____ (कुम्भ + कृ + अण्) घटं पृथिव्यां स्थापयति।
6. बालिका _____ (गम् + शतृ) अस्ति।
7. मया _____ (चि + अनीयर्)।
8. पुस्तकं _____ (सम् + पठ् + ल्यप्) मोहनोऽत्रागतः।

भाग - 'ग'

(Part-C)

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : (15)

Write an essay on any one of the following topics:

वेदानाम् महत्त्वम्, संस्कृतभाषाया महत्त्वम्, महाभारतम्, आदिकविः वाल्मीकिः

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लघु निबन्ध लिखिए:

(12)

Write an essay on the any one of following topics:

सङ्गणकस्य महत्त्वम्, नारीशक्तिः, आतंकवादः, चलचित्रम्

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3867

J

Unique Paper Code : 2136000003

Name of the Paper : ACTING SKILLS IN
SANSKRIT DRAMATURGY,
SEC

Name of the Course : COMMON PROG GROUP,
NEP UGCF 2022

Semester : VI

Duration : 1 Hour

Maximum Marks : 30

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt any Two questions.

4. All questions carry equal marks.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. अभिनय की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का संक्षिप्त परिचय दें । (15)

Define "Abhinaya" and give a brief introduction to its types.

2. आहार्य अभिनय का निरूपण करें। (15)

Describe Āhārya Abhinaya (costume and makeup aspect of acting).

3. लोकधर्मी और नाट्यधर्मी अभिनयों में तुलना करें। (15)

Compare lokadharmī and nāṭyadharmī styles of Abhinaya (acting).

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(7×7.5=15)

Write short notes on any two of the following :

- (i) विदूषक

Vidūṣaka

- (ii) नर्तक

Nartaka

(iii) भरत

Bharata

(iv) वाचिक अभिनय

Vācika Abhinaya

(22)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7348

J

Unique Paper Code : 2022203601

Name of the Paper : Buddhist Psychology

Name of the Course : B.A. (Prog.). Buddhist Studies

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt Four Questions in all.
3. Question No. 1 is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on any two : (15×2=30)

किन्हीं दो पर संक्षेप में टिप्पणी लिखें :

(a) Kliśtamanas

(क्लृष्टमनस्)

(b) Mānas

(मनस्)

(c) Manasikāra

(मनसिकार)

(d) Viññāṇa

(विज्ञाण)

2. Discuss in detail the nature and development of Buddhist Psychology. (20)

बौद्ध मनोविज्ञान की प्रकृति एवं विकास की विस्तार से चर्चा कीजिए।

3. Discuss the classification and function of mental factors (cetasika) in defining consciousness. (20)

चेतना को परिभाषित करने में चैतसिक के वर्गीकरण और कार्य पर चर्चा कीजिए।

4. What is Vipassanā (mindfulness) practice in Buddhist Psychology? How does Vipassanā help in understanding the nature of the mind? (20)

बौद्ध मनोविज्ञान में विपश्यना अभ्यास क्या है? विपश्यना मन की प्रकृति को समझने में कैसे मदद करती है?

5. Discuss the concept of Ālayavijñāna. (20)

आलयविज्ञान की अवधारणा पर चर्चा कीजिए।

6. Explain the key methods of mind management in Buddhist Psychology. (20)

बौद्ध मनोविज्ञान में मन प्रबंधन की प्रमुख विधियों की व्याख्या कीजिए।

7. Write an essay on the concept of Anātman. (20)

अनात्म की अवधारणा पर एक निबंध लिखें।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7410

J

Unique Paper Code : 2132203601

Name of the Paper : SANSKRIT LITERATURE: KATHA-KAVYA, DSC

Name of the Course : B.A. (P) WITH SANSKRIT, NEP UGCF 2022

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों/पद्यों का अनुवाद कीजिए:

3 x 6 = 18

Translate any three of the following paragraphs/stanzas:

जीर्यन्ते जीर्यतः केशादन्ता जीर्यन्ति जीर्यतः।

चक्षु श्रोते च जीर्यते एका तृष्णा तरुणायते॥

अथवा/or

न संशयमनारुह्य नरो भद्राणि पश्यति।

संशयं पुनरारुह्य यदि जीवति पश्यति॥

अथवा/or

अरक्षितं तिष्ठति देवरक्षितं सुरक्षितं दैवहतं विनश्यति

जीवत्यनाथोऽपि वने विसर्जितः कृतप्रयत्नोऽपि गृहे न जावति।

अथवा/or

अपरं त्वदीयं गीतं न मधुरस्वरम् शङ्खशब्दानुकारं दूरादपि श्रूयते। तदत्र क्षेत्रे रक्षापुरुषाः सुप्ताः सन्ति। ते उत्थाय वधं बन्धनं वा करिष्यन्ति। तद्भक्ष्य तावदमृतमयाशचिर्भटीः मा त्वमत्र गीतव्यापारपरो भव।

अथवा/or

अहमेकदा दक्षिणारण्ये चरन्नपश्यम्। एको वृद्धव्याघ्रः स्नातः कुशहस्तः सरस्तीरे ब्रूते 'भो भोपन्थाः। इदं सुवर्णकङ्कणं गृह्यताम्'। ततो लोभाकृष्टेन केनचित् पान्थेनालोचितम्- भाग्येनैतत्सम्भवति। किं त्वस्मिन्नात्म सन्देहे प्रवृत्तिर्न विधेया।

अथवा/or

P.T.O.

कस्मिंश्चिज्जलाशये शतबुद्धि सहस्रबुद्धिश्च द्वौ मत्स्यौ निवसतः स्म। अथ तयोरेकबुद्धिर्नाम मण्डूको मित्रतां गतः। एवं ते त्रयोऽपि जलतीरे वेलायां कश्चित्कालं सुभाषितगोष्ठीसुखमनुभूय भूयोऽपि सलिलं प्रविशन्ति।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों/पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

2 x 9 = 18

Explain any two of the following paragraphs/stanzas with reference to context:

लोभात्क्रोधः प्रभवतिलोभात्कामः प्रजायते।

लोमान्मोहश्चनाशश्चलोभः पापस्यकारणम्।

अथवा/or

कुदृष्टं कुपरिज्ञातं कुश्रुतं कुपरीक्षितम्

तन्मारेणनकर्तव्यं नापितेनाऽत्र यत्कृतम्॥

अथवा/or

अथ तैश्च पश्चाद्गत्वा कश्चिद् ग्राम आसादितः तेऽपि ग्रामीणैर्निमन्त्रिता पृथग् गृहेपुनीताः। ततः एकस्यसूत्रिका घृतखण्डसंयुक्ता भोजने दत्ता। ततो विचिन्त्य पण्डितेनोक्तं यद् दीर्घसूत्री विनश्यति। एवमुक्त्वा भोजनं परित्यज्य गतः।

अथवा/or

वरं बुद्धिर्न सा विद्या इति यद् भवतोक्तं तत्रेयं मे मतिर्यत् – 'न एकान्तेन बुद्धिरपि प्रमाणम्।'

3. निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

9

Explain any one of the following Verses in Sanskrit:

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम्।

उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

अथवा/or

सर्वस्य हि परीक्ष्यन्ते स्वभावा नेतरे गुणाः।

अतीत्यहिगुणान्सर्वान्स्वभावोमूर्ध्नि वर्तते।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

2 x 18 = 36

Answer any two of the following questions:

(i) कथा काव्य के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिये।

Explain the origin and development of katha - kavya.

(ii) संस्कृत साहित्य में वर्णित लोक-कथा साहित्य पर लेख लिखें।

Write a note on Lok- katha (Fairy tales) in Sanskrit literature.

(iii) क्षपणक कथा का सार शिक्षासहित लिखिए।

Write the summary of KshapanakKatha with its Teaching.

(iv) मत्स्य-मण्डूक कथा को अपने शब्दों में लिखिए। कथा से क्या शिक्षा प्राप्त होती है?

Write the summary of matsya-manduka-Katha in your own words. What do we learn from the story?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

2 x 4.5 = 9

Write short notes on any two of the following:

शुकसप्तति, पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, कथासरित्सागर, पुरुषपरीक्षा

Shukasaptati, panchtantra, Hitopadesh, Kathasaritsagar, Purushpariksha.

(1200)

(24)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7460

J

Unique Paper Code : 2022203602

Name of the Paper : Buddhist Ethics

Name of the Course : B.A. (Prog.). Buddhist Studies

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Four** Questions in all.
3. Question No. 1 is Compulsory.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on any two : (15×2=30)

किन्हीं दो पर संक्षेप में टिप्पणी लिखें :

(a) Pañcasīla

(पञ्चशील)

(b) Karuṇā

(करुणा)

(c) Karma and Niyativāda

(कर्म और नियतिवाद)

(d) Bhikṣuṇī-saṅgha

(भिक्षुणी संघ)

2. Discuss Brahmavihāra and its four supreme states of mind in detail. (20)

ब्रह्मविहार और उसकी चार सर्वोच्च मनःस्थितियों पर विस्तार से चर्चा कीजिए ।

3. Explain the Buddhist moral concept of Dasasīla in detail. (20)

दससील की बौद्ध नैतिक अवधारणा की विस्तार से व्याख्या कीजिए ।

4. Throw light on the doctrine of Karma and Rebirth. (20)

कर्म और पुनर्जन्म के सिद्धांत पर प्रकाश डालिए ।

5. Discuss the Buddhist attitude towards women. Include examples from Buddhist texts and history. (20)

महिलाओं के प्रति बौद्ध दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए । बौद्ध ग्रंथों और इतिहास से उदाहरण शामिल कीजिए ।

6. Write a comparative analysis on the Buddhist concept of Karma with the idea of Niskāmakarma in the Bhagavad Gītā. (20)

बौद्ध धर्म की कर्म की अवधारणा और भगवद्गीता के निष्कामकर्म की अवधारणा का तुलनात्मक विश्लेषण लिखिए ।

7. Discuss the Buddhist thought regarding Deep Ecology. (20)

गहन पारिस्थितिकी के संबंध में बौद्ध विचार पर चर्चा कीजिए ।

20

This question paper contains 2 printed pages.

Roll No. _____

Sl. No. of Question Paper : 7481
Unique Paper Code : 2132203602
Name of the Paper : Indian Aesthetics, DSC
Name of the Course : Bachelor of Arts with Sanskrit
Semester : VI
Duration: 3 Hours

Maximum Marks: 90

Instructions for candidates:

- (a) Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखें।
- (b) Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

18 x 3 = 54

Answer any three of the following questions:

- क) सौन्दर्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसके विविध अवयवों का परिचय दीजिए।
Explain the nature of *Saundarya* and introduce its various components.
- ख) साहित्य दर्पण के अनुसार रस का स्वरूप प्रस्तुत करते हुए इसके विविध अवयवों की विवेचना कीजिए।
Presenting the nature of *rasa* according to *Sāhitya Darpaṇa*, discuss its various components.
- ग) रसानुभूति की विविध चित्तावस्थाओं का वर्णन करते हुए रस की अलौकिकता को समझाइए।
Describing the various states of mind associated with *Rasānubhūti*, explain divinity of *Rasa*.
- घ) साहित्यकला के सौंदर्यतत्त्व के रूप में रीति और औचित्य का विवेचन करें।
Discuss *riti* and *aucitya* as aesthetic elements of literary art.
- ङ) सौन्दर्याभिव्यक्ति में ललित कलाओं की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।
Explain the usefulness of fine arts in aesthetic expression.
- च) भारतीय सौन्दर्यशास्त्र के किन्हीं तीन प्रमुख विचारकों एवं उनके सम्प्रदायों पर चर्चा कीजिए।
Discuss any three prominent thinkers of Indian Aesthetics and their schools of thought.

2. अधोलिखित में से किन्हीं चार पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

6.5 x 4 = 26

Write detailed notes on any four of the following:

- क) सहृदय (Sahṛdaya)
ख) रमणीयता (Ramaṇīyatā)
ग) वास्तुकला (Vāstukalā)
घ) अलंकार (Alaṁkāra)

ड) ध्वनि (Dhvani)

च) चारुता (Cārutā)

छ) राजशेखर (Rājasekhara)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त रूप में दीजिए :

5 x 2 = 10

Give brief answers to any five of the following questions:

क) विक्षेप किसे कहते हैं?

What is called *Vikṣepa*?

ख) मनोहारिता क्या है?

what is *Manohāritā*?

ग) लावण्य क्या है?

What is *Lāvanya*?

घ) साहित्य दर्पण के रचनाकार का नाम लिखिए।

Write the name of the creator of *Sāhitya Darpaṇa*.

ड) अनुभाव किसे कहते हैं?

What is called *Anubhāva*?

च) भरतमुनि ने कितने स्थायी भाव स्वीकार किये हैं?

How many *Sthāyī Bhāvas* have been accepted by Bharatamuni?

छ) व्यभिचारी भावों की संख्या कितनी है?

How many *Vyabhicārī Bhāvas* are there?

(76)

02/06/25
(E)

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : 7533 I

Unique Paper Code : 2023200001

Name of the Paper : Socially Engaged
Buddhism

Name of the Course : **B.A (Prog.) Buddhist
Studies (NEP)**

Semester : VI

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

7533

(c) Attempt **four** questions in all. Question No. **1** is compulsory.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **1** सं. अनिवार्य है।

1. Write short notes on any **two** : $15 \times 2 = 30$

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

(a) Pluralism

बहुलवाद

(b) Animal Rights

पशु अधिकार

(c) H.H. Dalai Lama

दलाई लामा

(d) Ahimsa

अहिंसा

2. What do you understand by Socially Engaged Buddhism ? Was its socially engaged during the time of the Buddha ? Explain it. 20

सामाजिक रूप से संलग्न बौद्ध धर्म से आप क्या समझते हैं ? क्या बुद्ध के समय में यह सामाजिक रूप से संलग्न था ?

3. What is the Buddhist perspective on human rights ? Discuss how Buddhist principles guide the protection of human rights. 20

मानवधिकारों पर बौद्ध दृष्टिकोण क्या है ? चर्चा करें कि कैसे बौद्ध सिद्धांत मानवाधिकारों की सुरक्षा का मार्गदर्शन करते हैं ।

4. Discuss the Buddhist attitude towards women. Include examples from Buddhist texts and history. 20

महिलाओं के प्रति बौद्ध दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए । बौद्ध ग्रंथों और इतिहास से उदाहरण शामिल कीजिए ।

5. Discuss the role of Dr. B. R. Ambedkar in the propagation of Neo-Buddhism. 20

नव-बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की भूमिका पर चर्चा कीजिए ।

6. Discuss the Buddhist thought regarding Deep Ecology. 20

गहन पारिस्थितिकी के संबंध में बौद्ध विचार पर चर्चा कीजिए ।

7533

7. What is Buddhist economics and how does it differ from conventional economic models ?
Explain. 20

बौद्ध अर्थशास्त्र क्या है और यह पारंपरिक आर्थिक मॉडल से किस प्रकार भिन्न है ? समझाइए।
